

अवध, अम्बेडकर नगर, बलरामपुर

संक्षिप्त खबरें

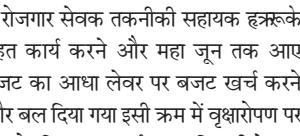
सिंचाई विभाग का यह कृत्य हुआ
उजागर पुलिया निर्माण होने के बाद
भी जनता को लाभ नहीं



बरेली/भद्रपुरा विकासखंड के क्षेत्रों लड़िया में अपरा नदी के बांध से निकली शरदा सागर खंड नहर शहजहांपुर इसी नहर से बासन से अदिराला माठन कर पाया थिएरी के पास सिंचाई विभाग द्वारा 981000 की लागत से पुलिया का निर्माण किया गया जिसे विभाग द्वारा सड़क से इतना ऊचा बना दिया गया जिस पर ग्रामीणों को निकालना दुबर हो रहा है।

पुलिया निर्माण करवाने के बाद उस पर चढ़ने उत्सर्वे के लिए रासा औके नहीं कराई जा सकी जब के इस पुलिया से होकर विकासखंड भद्रपुरा के लोग बरेली ज्योति जागीर होते हुए भारी संख्या में निकलते हैं यहां पर आए दिनों बाइक सवार गिरते हैं तो चार पहिया वाहन उस पर जाते हैं जिसके कारण उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ रहा है इस पुलिया का निर्माण वर्ष 2023-24 में करवाया गया था। जो आज तक वैसा ही पड़ा है इस मासमें जै इंसिचाई अनुप सागर से बाट की गई तो उहाँने कहा जब किसी और जगह पर कार्य शुरू होगा तभी इसे देख लिया जाएगा इस तरफ किसी भी विभागीय अधिकारी ने ध्यान देने की आवश्यकता नहीं समझी जिसके चलते ग्रामीण भारी संकट का सामना कर रहे हैं।

मनरेगा अधिकारी ने की समीक्षा बैठक दिया निर्देश



बरेली/क्षेत्रों लड़िया भद्रपुरा विकासखंड के सभागार में आयोजित मनरेगा की समीक्षा बैठक में रोजगार सेक्रेटर तकनीकी सहायक हक्कर के तहत कार्य करने और महा जून तक आए बजट का आधा लेवर पर बजट खर्च करने और बल दिया गया इसी क्रम में वृक्षारोपण पर भी जोर दिया गया कार्यक्रम अधिकारी ने कहा यदि कोई कार्रवाई करना फलदार वृक्षों को लगाना चाहते हैं तो उन्हें उपलब्ध कराएं। और प्रयास किया जाए तक लगाए गए वृक्ष तेवर हो। इस पर जोगार सेक्रेटर सर्वेंस वृक्षारोपण करने का प्रयास करें यहां पर उपरित खंड विकास अधिकारी भद्रपुरा कम्बल सिंह चौहान एवीओ सुमित राजनीकी सहायक इंटेंद्र पाल सिंह रामचंद्र मौर्य रोजगार सेक्रेटर सर्वेंस वृक्षारोपण करने के बारे की अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

आज रोटीन बैठक का लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

तैयारी का जायाजा लेने पहुंच सिंचाई भवीता

स्वतंत्र देव रिंग के साथ विधायक, जिलाधिकारी,

एसपी व सीडीओ के साथ अन्य अधिकारी



महाराजांजन। नौतनवां ब्लाक के रेतनपुर

स्थित रोहिन नदी वैराज का आज मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री के आवागमन को लेकर शुक्रवार को सिंचाई भवीता स्वतंत्र देव सिंह के साथ विधायक ऋषि त्रिपाठी और अनुनय ज्ञान, सीडीओ अनुराज जैन, एसपी सोमेन्द्र मीना, एडीएम पंकज कुमार वर्मा ने रोहिन नदी वैराज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हीनीपैड, पूजा स्थल, पारिंग, मंच, वैरीकेंटिंग व सफाई कार्यक्रम के जवाबदारी के बाबतों को विशेष ध्येय दिया गया। इस पर विधायक त्रिपाठी के बाबतों को विशेष ध्येय दिया गया।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

किसी भी अधिकारी को अविश्वसनीय बातों को अविश्वसनीय करें।

सांकेतिक खबरें

कालात्रिंश्च स्वरूप मां दक्षिणेश्वर काली मां का हुआ भव्य श्रृंगार

सुबह मंगला आरती, दोपहर मध्याह्न आरती, गत शयन आरती के पश्चात किया जाता है प्रसाद वित्तण

सीखड़, मीरजापुर। नवरात्र के सप्तमी तिथि पर कालात्रिंश्च स्वरूप मां दक्षिणेश्वर काली का भव्य श्रृंगार किया गया। मगरहा लरकूल मार्ग स्थित दक्षिणेश्वर काली मां के मंदिर पर सुक्रांत को पुजारी पंकज बाबा के द्वारा अद्वैत, गेंदा, गुलाब आदि के फूलों से मां काली का भव्य श्रृंगार कराया गया और इसके पश्चात मां को दूध, धूप, नैवेद्य अर्पित कर उठे थे भोग लगाया गया।

मां के जकड़करे से बातावरण देविमय हो रहा था। पुजारी पंकज के द्वारा मां का आरती किया गया। इस दौरान बड़ी सख्ता में भक्त दर्शन पूजन किया। इसके पश्चात ही दर्शन पूजन करने आए श्रद्धालुओं में प्रसाद वित्तण किया गया। इस अवसर पर उपस्थिति ज्योति सिंह, आदित्य शंकर पांडेय एडवोकेट, आशोप पांडेय, डॉ विष्णु बहादुर सिंह, अखिलेश सिंह, राजू सिंह, उमेश विश्वकर्मा, चांदी, सल्मान, विजय सिंह, शहगम, जानती देवी, घोरे पाल आदि भक्त दर्शन पूजन कर आशीर्वाद दिया।

मेडिया मिनी स्टेडियम में आयोजित टीवर्स प्रिमियर लीग का शुक्रवार को समाप्त हो गया।

सीखड़, मीरजापुर। विकासखंड सीखड़ अंतर्गत मेडिया मिनी स्टेडियम में आयोजित टीवर्स प्रिमियर लीग का शुक्रवार को समाप्त हो गया। समाप्तन समाप्त हो में मुख्य अतिथि के रूप में चुनार विद्यायक अनुराग सिंह उपस्थित हो। विद्यायक चुनार ने खिलाड़ियों का हीमता अफजाई करते हुए कहा कि खेलों इंडिया के तहत उनकी सक्रांत क्रियान्वयनी नरसद मोदी और मुख्यमंत्री गोपी आदित्यलाल जी की कृशल नेतृत्व में लगातार खेलों के द्वारा दिया जा रहा है। मेडियों का यह खेल मैदान उसका शानदार उदाहरण है। इस मैदान पर अब लगातार कोई न कोई प्रतिवेदिता आयोजित की जा रही है जिससे क्षेत्र और जननद से नविलाड़ियों शुक्रवार को प्रतिवेदित का फालन मुकाबला लालांज और राजगढ़ के बीच खेला गया। टास जीतकर लालांज के द्वारा पहले बल्लेजाँ करते हुए पूर्ण लेने से शेष के द्वारा 21 दोंदें पर 67 रन की बीड़ी पारी खेली गयी। इनके अलावा राकेश यादव ने भी 39 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। राजगढ़ की तरफ से अनेस कुमार ने 2 ओवरों में 38 रन देकर 2 बिकेट प्राप्त किए। 154 रनों के विशाल स्कोर का पीछा करते हुए राजगढ़ की टीम ने कुल 87 रन पर आल आउट हो गई। राजगढ़ की तरफ से प्रेमचंद ने 15 गेंदों पर 30 रन बनाए। लालांज के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की जिसमें राकेश यादव ने 2 ओवरों में मार 11 रन खर्च करते हुए 3 बिकेट हासिल किया। वहाँ अनिल यादव, अश्वन सिंह और प्रमोद सिंह ने दो दो बिकेट प्राप्त किए। प्रमोद सिंह को उनके शानदार अलारंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरुषकार दिया गया।

फार्मर रजिस्ट्री एवं हाट बेट का गोपी उपजिलाधिकारी मनकापुर के अध्यक्षता में आयोजित



मनकापुर गोपी- विकासखंड

बमनजात परिसर में कामर रजिस्ट्री एवं

हिट बेट के विषय में समस्त पंचायत

सहायकों रोजगार सेवकों, कोटेदार समस्त

सचिव गण सहायक विकास अधिकारी गण

की बैठक उप जिलाधिकारी मनकापुर

अवधीन त्रिपाठी की अध्यक्षता में गई

जिसमें उपजिलाधिकारी मनकापुर के द्वारा

फार्मर रजिस्ट्री के विषय में विशेष चर्चा

किया गया। और पैमाने कियान के पंजीकरण

के लिए जानकारी दिया गया। और हीट बेट

के दौरान पीपों से बचने के लिए और अनेक

पशुओं की गोपी से बचने के लिए जानकारी

दिया गया। इटलाकिंग विकास अधिकारी ओं पी

सिंह यादव के द्वारा उपस्थित लोगों को

सम्बोधित करते हुए कहा कि आज कल

गर्मी का मौसूल चल रहा उससे आप लोगों

को स्वयं बचना है और अनेक पशुओं को भी

आग से बचाना है साथ ही साथ फूलों को भी

आग से बचाना है और फौंसर रजिस्ट्री के

दौरान पीपों किसान के लिए तहसील के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर तहसील दार मनकापुर सहित तहसील के अधिकारी एवं कर्मचारी, एडियो आई-एस वी इंडिल प्रसाद, एवं ब्लॉक के समस्त अधिकारी एवं

कर्मचारी मौजूद रहे।

बिना बिलिंग मटेरियल की चल रही है फर्म जीस फर्म पर किया जाता है सरकारी भुगतान

● जिस फर्म पर सरकारी भुगतान किया जाता है उस फर्म नालिक के पास नहीं है बिलिंग मटेरियल की दुकान सिर्फ जीएसटी बिल काट कर देते हैं फर्म नालिक नैटेरियल कहीं और से लिया जाता है

स्वतंत्र प्रभात



सरकारी भुगतान की दुकान

यह घिबली-घिबली क्या है?

मनुष्य हमेशा नई-नई चीजों के प्रति आकर्षित होता आया है। खासतौर पर युवा युगीनों में हमेशा ही नए-नए गेजेट्स को लेकर ज़ज़ासु रही है। पीट-स्वर्ग यूनिवर्सिटी की फोफेसर एलिजावेथ मिलर का मानना है कि वहले सामाजिक अकेलापन आया या वहले सोशल मीडिया का इस्तेमाल शुरू हुआ। भले इस बहस का कोई अंत न हो लेकिन अकेलापन और सोशल मीडिया दोनों एक-दूसरे की वजह जरूर बने। भारतीय समाज में ऐसे परिवार भी हैं, जहां व्यक्ति परिवार एवं आई के चैट जीटीपी ने नया टूल क्या लांच किया कि लोग पागल हो गए। हालात तो यह हैं कि खुद कम्पनी को लोगों से रिक्वेस्ट करनी पड़ी कि थोड़ा संयम रखें क्योंकि लोगों की डिमांड की वजह से स्टूडियो घिबली के कर्मचारी सो भी पा नहीं रहे हैं। हर कोई घिबली से अपनी इमेज को कार्टून की तरह बनाकर इंटरनेट पर डाल रहा है। लोगों अपनी फोटो से एमिनेशन बना रहे हैं। घिबली भले ही आप लोगों के लिए नया हो लेकिन इसकी शुरूआत 1985 में हुई थी।

से करने के बाद सोशल मीडिया का आदी हो रहा है। यानी जब व्यक्ति के पास घर में न कोई बोलने-चालने वाला है, तब सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाता है। यहां उसे एक ऐसी दुनिया मिलती है जो जाने-अनजाने उसके दुख-दर्द में भागीदारी करती दिखाई पड़ती है। भैमाल के तौर पर यदि आप फेसबुक पर सिर्फ यह भी लिखकर डाल दें कि आप बीमार हैं तो आपके जल्द स्वस्थ होने की दुआओं के साथ अनेक शुभकामनाएं तुरंत प्रतिक्रिया स्वरूप मिल जाती हैं। खासतौर पर भारत के मध्यम वर्गीय परिवारों में यही हो रहा है। लोगों ने इस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर को तेजी से अपनाया। आजकल हर कोई घिलती, आर्ट का दीवाना है। ओपन

अपने हैंड-ड्रॉन एमिनेशन के जरिये किस्से-कहानियां कहने वाले इस आर्ट स्टूडियो ने लाखों दिलों को जीता है। इस आर्ट की मदद से कई हिट फिल्में बनी हैं जो एआई की मदद से आप तक पहुंची हैं। घिलती की जड़ें जापान से जुड़ी हुई हैं। हायाओ मियाजाकी एनिमेटर ने इसकी शुरूआत की थी। उन्होंने इस एनिमेटर आर्ट का इस्मेलाल कर कई फिल्में और टीवी सीरियल बनाए हैं तथा इसी आर्ट से बनी एक फिल्म स्पिरिटेड अबे में 2300 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की कमाई की है और खुद उनकी सम्पत्ति 500 करोड़ रुपए के करीब है। घिलती की तस्वीरों को वायरल होने के बाद मियाजाकी ने एआई जनरेटेड एनिमेशन की आलोचना की थी। मियाजाकी ने कहा

का अपमान है। वह मानते हैं कि कला का असली सार तभी झलकता है जब इसान अपने अनुभवों, दर्द, खुशी और सबेदारों को चित्रों और कहानियों में उतारता है लेकिन एआई आधारित एमिनेशन इस गहराई से कोकोसों दूर है। एआई के बढ़ते उपयोग को लेकर दुनियाभर में बहस जारी है। एक वर्ग इसे क्रिएटिव इंडस्ट्री में क्रांति मानता है तो कुछ इसे कला के लिए खतरा बताते हैं। एक वर्ग मानता है कि इससे असली आर्ट विषेश रह जाएगी। लोगों के पांगलपन के बीच यह भी आशंका व्यक्त की जा रही है कि अपनी फोटो को कार्टून शैली में बदलते लोग अपनी तस्वीरों का सारा एसेस धिलती को देते हैं, जिससे भविष्य में इन तस्वीरों का दुरुपयोग हो सकता है। एक बार जब आप सोशल मीडिया पर एक्टिव हो जाते हैं तो घर परिवार से आपका ताल्लुक बहुत कम हो जाता है। इस स्थिति में आप यह इच्छा करते हैं कि अब वापस अपने परिवार के बीच लौट जाएं तो यह मुकिन नहीं हो पाता या तो आपके परिवार के सदस्य दूसरी जगह व्यस्त हो चुके होते हैं या फिर वे भी सोशल मीडिया पर ही सक्रिय हो जाते हैं। यह स्थिति तो अब आमतौर पर घरों में भी देखी जा रही है कि घर में चार सदस्य बैठे हैं और चारों

ने-अपने मोबाइलों पर फेसबुक या अन्य गश्त मीडिया पर एक्टिव हैं। चारों के बीच ई संवाद नहीं होता। आलम यह होता है पर एक कमरे में बैठा खाना खा रहा है और पली दूसरे कमरे में बैटी कोई काम कर रहा है। मोबाइल उसके भी एकदम करीब नहीं है। पति सब्जी मांगने के लिए पल्ती को इस्तेमाल करता है। पल्ती अंदर से आकर उसकी को सब्जी देती है। सब्जी मांगने की यह ज़रूरत देखने में छोटी सी लग सकती है लेकिन काम करने के लिए उसकी ज़रूरत है। इसका अर्थ यह भी है कि दोनों पति-पल्ती हर दोनों गश्त मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। अधिक गश्त मीडिया में ऐसा क्या है कि वह उसको रियल वर्ल्ड से काटकर अपनी ओर ले जाता है? यह क्या है? दरअसल सोशल मीडिया पर लगातार आने वाले नोटिफिकेशन उसके ब्रेन को एक्टिव बनाए रखते हैं। उसके स्टेटस पर मिलने वाले लाइक्स या टेंट्स अपाको एक छज्ज खुशी का अहसास देते हैं या आपके अस्तित्व को प्रमाणित करते हैं। सोशल मीडिया के प्रति लोगों की अनग्नी इस कद्र बढ़ गई है कि वह समाज के परिवार से कट गए हैं। पता नहीं लोग जान से संवाद कैसे स्थापित करें।

टिव्यनल के फैसले को दीवानी अदालतों में आय 163 करोड रुपए की होती थी। सच्चर में

विपक्षी पार्टीया जिस तरह गफलत में दिखाई पड़ती है उसका कारण भारत की जमीनी हकीकत से नाविकप होना है। वक्फ की सम्पत्तियों का देश में जिस तरह जाल फैला हुआ है उससे आम भारतीय प्रभावित न होता हो, ऐसा नहीं है। अतः केन्द्र की मोदी सरकार इस सम्बन्ध में जो विधेयक लाई है उसका स्वागत सामान्य तौर पर देश की जनता करती दिखाई पड़ती है। इस बारे में मुस्लिम वक्फ बोर्डों की विभिन्न राज्यों में जो गतिविधियां होती हैं उन्हें देखते हुए नारायणों में भीतर ही भीतर रोष रहा है। भाजपा ने इस रोष का संज्ञान लेते हुए ही वक्फ संशोधन विधेयक रखा है। बेशक वक्फ बोर्ड का इतिहास 1913 से अग्रजों के शासन के दौरान तक रहा है और इसके बाद समय-समय पर इसमें संशोधन होते रहे। इन संशोधनों में सबसे बड़ा संशोधन 1995 में तकालीन कांग्रेस की नरसिंहाराव सरकार के दौरान किया गया। यह वह दौर था जब देश में राम जन्मभूमि को लेकर उग्रे आन्दोलन का अन्त हो चुका था। अयोध्या में स्थित बाबरी मस्जिद को 1992 के दिसम्बर महीने में ढहा दिया गया था। इसके बाद मुसलमानों को खुश रखने के लिए सर्विहा गव सरकार वक्फ संशोधन विधेयक लेकर आयी थी। इस कानून में तब जो परिवर्तन किये गये थे उसमें सबसे बड़ा संशोधन यह था कि किसी जमीन या जायदाद के बारे में वक्फ बोर्ड का फैसला अन्तिम था जो कि एक ट्रिब्यूनल के माध्यम से होता।

समिति का कहना था कि यदि इन सम्पत्तियों का सही उपयोग किया जाये तो आय कम से कम दस हजार करोड़ रुपए की होनी चाहिए परन्तु अब ये सम्पत्तियां बढ़कर नौ लाख के करीब हो गई हैं परन्तु इनसे आय और भी घट गई है। सच्चर समिति का कहना था कि वक्फ की सम्पत्तियों से आय बढ़ाकर इसका उपयोग गरीब मुसलमानों की आर्थिक मदद में किया जा सकता है क्योंकि समिति ने यह भी पाया था कि भारत में मुसलमानों की स्थिति अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों से भी बदरत है। अतः समझने वाली बात यह है कि वक्फ का मसला हिन्दू-मुसलमानों का मसला नहीं है बल्कि यह मानवीय मसला है क्योंकि देश के 90 प्रतिशत मुसलमान पसमान्दा मुसलमान हैं जो किसी तरह अपनी प्राचीनता रखा है कि केन्द्रीय स्तर पर बनने वाली राष्ट्रीय वक्फ परिषद में मुसलमानों के सभी मुख्य फिरकों के प्रतिनिधि रखे जायेंगे और महिलाओं के साथ ही पसमान्दा मुसलमानों के नुमाइदे भी होंगे तथा मुसलमानों के अलावा अन्य धर्म के मानने वाले लोगों का भी प्रतिनिधित्व होगा। यह कहा जा रहा है कि इससे मुसलमानों के आन्तरिक धार्मिक मसलों में मदालखत होगी जो कि पूरी तरह सत्य नहीं है क्योंकि वक्फ की जमीनों की देखभाल करने के लिए मुतल्लवी या प्रबन्धक होता है। वह हर हालत

बुगाई नजर नहीं आती है वर्योक यह
मेंक मामलों में सरकार का हस्तक्षेप नहीं
लिल्क जमीन-जायदाद की देखभाल करने
सवाल है। इस बारे में देश के विभिन्न
व्यायालयों ने अभी तक जो फैसले दिये
हैं उनमें वक्फ बोर्ड को एक वैधानिक संस्था
गया है न कि धर्मिक। सवाल यह है
जब हम ढोल पीट-पीट कर यह दुहाई
हैं कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है तो
लमानों का कोई मसला आते ही क्यों
ए गला सूखने लगता है? श्री रिजीजू ने
संसद में विधेयक रखकर यह कहा कि
त के वक्फ बोर्ड के पास पूरी दुनिया में
से अधिक दान में मिली जमीन-जायदाद
इसका उपयोग गरीब मुसलमानों के हित
में नहीं किया जाना चाहिए। वक्फ बोर्ड
हमने भूमि हथियाने वाले माफिया में क्यों
ल डाला है। जबकि आम मुसलमान
नी जमीन-जायदाद जन कल्याण के लिए
या वक्फ करता है। वक्फ की जमीन
लाह की जमीन होती है अतः इसका
योग भी उसके बन्दों की खिदमत में होना
है। भारत में जमीन-जायदाद के वैध
जों के साथ ही उसका आंकलन जाता
है अतः वक्फ की गई जायदाद के
जात भी होना जरूरी है। जबकि कुछ
सरकारी जमीनों को भी वक्फ की
बान बताने से नहीं हिचकते। इस नये
विधेयक से ऐसे सभी दावों का पर्दाफाश भी
॥

संपादकीय

भारत में हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियों का खंडित होना कब रुकेगा?

अपने धर्म के नाम पर दृश्य के कानून का उल्लंघन कर सकता है, दूसरों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है, हिंसक गतिविधियों को अंजाम दे सकता है, दूसरे धर्म का मजाक उड़ा सकता है एवं अपमान कर सकता है, धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचा सकता है, किसी का जबरन या धोखे से धर्म परिवर्तन करा सकता है आदि। इसे देश का दुर्भाग्य ही कहेंगे कि स्वतंत्रता के कई दशक गुजरने के बाबजूद भी धर्मनिरपेक्षता की मूल अवधारणा को कई बार चुनौती मिलती दिखाई देती है, धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक समरसता कमज़ोर होती नज़र आती है। कई बार विविध कारणों से धार्मिक भावनाओं को भड़का कर खड़त किया गया, शमशाबाद, तेलंगाना (नवंबर 2024) में हनुमान मंदिर में नवग्रह मूर्तियों को तोड़ा गया? अप्रैल 2025 में, उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के कटोरा गांव में स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में मूर्तियों के खंडित होने की घटना सामने आई है। क्या इन घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना मात्र उपाय है? इतिहास में विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा लूट और आंतक के उद्देश्य, विशिष्ट धर्म के प्रचार प्रसार के लिए ऐसा करना समझ में आता है किन्तु आज के स्वतंत्र धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में ऐसी घटनाओं के लिए कोई स्थान कैसे हो सकता है? क्या यह धार्मिक तहजाब का नुकसान पहुंचाने कोशिश है या फिर विविध धर्मों के अनुयायियों को आपस में लड़ाकर देश को आगे बढ़ने से रोकने की साजिश है?

कारण कुछ भी हो देश की प्रगति के लिए, सामाजिक सौहार्द के लिए इस तरह के कृत्यों को कभी भी अच्छा नहीं कहा जा सकता। केवल कानून या प्रशासन से इन समस्याओं का स्थाई समाधान नहीं निकल सकता जब तक समाज स्वयं जागरूक, जिम्मेदार, संवेदनशील होकर सभी धर्मों और उनके धर्म स्थलों को आदर और सम्मान देना नहीं सीखता है।

A close-up photograph of a person's hand held open, palm facing forward, symbolizing peace or stopping violence.

उत्तरप्रदेश के संभल में पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जिसके

A close-up photograph of a person's hand, palm facing forward, fingers spread wide in a gesture of rejection or stopping. The background is blurred, showing what appears to be a white cloth or garment.

बार म सुनकर लागा क हाश उड़ गए। एक अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य धन वर्षा के नाम पर लड़कियों के साथ गंदी हरकतें करते थे। जिनके पास से करीब 200 लड़कियों के अश्लील वीडियो भी मिले हैं।

संभल में धनवर्षा के नाम पर गिरोह के पास से पुलिस जांच में 200 से अधिक लड़कियों के अश्लील वीडियो के साथ-साथ कई और भी चीजें मिली हैं जिससे इनके अपराधों का खुलासा हुआ है। गिरोह गरीब परिवारों को धनवर्षा के नाम पर फंसाते थे। गिरोह के सदस्य धनवर्षा कराने के नाम पर लोगों को ठगने की योजना बनाते थे। वे गरीब परिवारों को यह विश्वास दिलाते थे कि उनकी बेटी में कोई विशेष शक्ति है जिससे तात्रिक क्रिया करने पर घर में अपार धनवर्षा हो सकती है। इसके

कर यैन शोषण करता था और दुर्लभ वन्य जीवों की अवैध तस्करी में भी शामिल था। गिरोह का नेटवर्क दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान में फैला हुआ था। पुलिस ने आगरा से गिरोह के 14 आरोपियों को पकड़ा है।

गिरोह से पुलिस ने मोबाइल फोन, तात्रिक विधाओं में प्रयुक्त सामग्री, दुर्लभ

लए कसा दुलभ वस्तु जस 20 नख बाला कछुआ, दो मुंह सांप, उल्लू या विशेष नंबर के नोट पर अनुष्ठान करने की बात कही जाती थी।

परिवार को इस लालच में फंसाकर उनकी बेटियों को तांत्रिक क्रिया के लिए तैयार किया जाता था। इस दौरान घर के अन्य सदस्यों को बाहर भेज दिया जाता था, और अनुष्ठान के नाम पर लड़कियों के कछुआ आर अवध हाथयार बरामद किए हैं। गिरोह का खुलासा तब हुआ जब राजपाल नामक युवक के अपहरण और तंत्र क्रिया कर उस मारने के प्रयास की सूचना थाना धनारी पुलिस को मिली। गिरोह लोगों को नकदी की बारिश कराने का लालच देता है। गिरोह के सदस्य गरीब परिवारों को यह कहकर फंसाते थे कि उनकी लड़की विशेष गणें वाली है और म तो उनक साथ रिलेशन तक बनाया गया है। आशंका है कि लड़कियों के बीड़ियों परेन साइट पर बेचे जाते थे। या फिर तंत्र क्रिया के नाम पर इन लड़कियों के साथ फिजिकल रिलेशन बनाते थे। लैकिन एक बात तथ है, ये लोग तांत्रिक क्रिया करते थे।

इनका मेन टारगेट लड़कियां ही होती थीं। इनके पास से कह आँड़ियों रिकॉर्डिंग मिली

साथ गदा खेल खेला जाता था। गिरोह में तीन कोडवर्ड का इस्टमाल किया जाता था। कारीगर मंडिया, और अर्टिकल। इस गैंग उसके ऊपर तात्रिक क्रिया करने से धन की बारिश होगी। इसके बाद लड़कियों के साथ गता रखते रुहते थे।

कारागर, माडया और आटकला। इस गगन से दो टीम होती थीं। लोगों को गमराह बाली का जिक्र हा रहा हा आडया म कहा जा स्था है बनासप के गुरु को लेकर आओ

तंत्र मन्त्र का नाम पर यह गिरोह सन्मान लड़कियों का शोषण ही नहीं करता था बल्कि यह वन्य जीवों की अवैध तस्करी में भी शामिल था। इस गिरोह का नेटवर्क दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों तक फैला हुआ था। कई जिलों में इस गिरोह का नेटवर्क बहुत तेजी से फैल रहा था। पुलिस ने इस गिरोह के पास से मोबाइल फोन, तात्रिक क्रिया में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री, दुर्लभ प्रजाति के वन्यजातीय वर्षा और अन्य वन्यजातीय विषयों को लेकर आवाहन किया है।

नहार रहता था, क्योंकि पूरा प्राक्रिया का गुणवृत्त तरीके से रिकॉर्ड किया जाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि इन वीडियो को अवैध वेबसाइटों पर बेचा जाता था। लड़कियों के परिवारों को इस बात की कछुए आर अवधि हाथयार बरामद किए हैं। गिरोह के मोबाइल फोन में 200 से अधिक अश्लील वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली हैं, जिनसे इनके घिनौने कृत्यों का खुलासा हुआ है।

— दीपा शर्मा

भनक तक नहीं लगती थी कि उनकी मासूम बेटियों को किस घिनानी साजिश का शिकार बनाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार धनवर्षा गिरोह गरीब लड़कियों के परिवारों को ज्ञांस में लेकर तंत्र क्रिया करता था। तंत्र क्रिया के दौरान परिवार के लोगों को बाहर कर दिया जाता था और तंत्र क्रिया के दौरान लड़कियों

एक पीड़ित युवक राजपाल की शिकायत पर संभल पुलिस ने अजय, संतोष और दुर्जन को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उनके मोबाइल खंगाले तो सभी हैरान रह गए। मोबाइल में तमाम लड़कियों के न्यूड फोटो-वीडियो मिले। एक फ्रॉफार्मा भी था, जिसमें लड़कियों-लडकों से उनकी हाईट में लेकर पदवर्त पार्ट तक की जानकारी

अधिवशास और लालच का एक घिनौना खेल है, जिसमें निर्दोष लड़कियों को फंसाकर उनका शारीरिक और मानसिक शोषण किया गया। पीड़ित लड़कियों की जानकारी की जा रही है। अभी तक सिर्फ एक पीड़ित सामने आई है। हम लोगों को शक है कि ये नेटवर्क बड़े स्तर पर चल रहा है। लेकिन कैसे चल रहा है ये पता

जाता था और तत्र क्रिया के द्वारा लड़कियों के प्राइवेट पार्ट की पहले पूजा की जाती थी, फिर तत्र क्रिया सुख होती थी। तत्र क्रिया के बाद लड़कियों के साथ क्या होता था, उन्हें खुद भी नहीं पता है। सामने आया है कि उनके बीड़ियों बना लिए जाते थे। फिर इन बीड़ियों को पर्न साइट पर बेचा जाता था। गिरोह तत्र क्रिया से धनवर्षा का झांसा देकर गरीब लड़के-लड़कियों की तस्करी से लकर प्राइवेट पार्ट तक का जानकारा भरवाई गई थी। पुलिस ने 14 आरोपियों को अरेस्ट कर धनवर्षा तत्र क्रिया गिरोह का खुलासा किया।

ये लोग तत्र क्रिया तो करते थे, क्योंकि इन लोगों के फोन से कई ऐसे बीड़ियों मिले हैं, जिनमें ये लोग तत्र-मंत्र करते दिख रहे हैं। जो स्टेशन मास्टर रघुवीर सिंह है, वो तो सूखे नारियल पर बैठकर पूरा लड़की रहा हा। लाकन केस चल रहा है, ये पता लगाना है। इन सभी आरोपियों पर ऑर्गनाइज़ क्राइम, मानव तस्करी, यौन शोषण और वाइल्ड लाइफ एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस केस में किसी लड़की की मौत हुई है या नहीं, इसकी पुलिस टीम जांच कर रही है।

मनोज कुमार अग्रवाल

प्रोजेक्ट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ल, मोबाइल 7499472288
ए के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायिलय जनपद लखनऊ ही होगा।

का जानकारी उत्तरपक्षाना विषयों का प्रश्नावाला विषयाद् का स्वतंत्रा में नियन्त्रण विधि विवरण जानकारी हो जाएगी।

मता हालांकि है नहीं। फिर भी समझ देखा है। वैसे भी सिंधिया के पास

संक्षिप्त खबरें

धर्म, आरथा और विश्वास के केंद्र बिंदु मां कामाल्या धाम पन्ही में हो रही अमृतमई श्रीमद् भगवत् कथा आचार्य सुरेंद्र जी महाराज के मुख्याविनंदु से बहुरही भक्ति की रसधार



शुक्रवर्ष बाजार अमेरी। विकासखंड शुक्रवर्ष बाजार के अंतिम छोर पर वसी मां कामाल्या धाम पन्ही में कथावाचक आचार्य सुरेंद्र जी महाराज के मुख्याविनंदु से बहुरही भक्ति की रसधार

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

32

33

34

35

36

37

38

39

40

41

42

43

44

45

46

47

48

49

50

51

52

53

54

55

56

57

58

59

60

61

62

63

64

65

66

67

68

69

70

71

72

73

74

75

76

77

78

79

80

81

82

83

84

85

86

87

88

89

90

91

92

93

94

95

96

97

98

99

100

101

102

103

104

105

106

107

108

109

110

111

112

113

114

115

116

117

118

119

120

121

122

123

124

125

126

127

128

129

130

131

132

133

134

135

136

137

138

139

140

141

142

143

144

145

146

147

148

149

150

151

152

153

154

155

156

157

158

159

160

161

162

163

164

165

166

167

168

169

170

171

172

173

174

175

176

177

178

179

180

181

182

183

184

185

186

187

188

189

190

191

192

193

194

195

196

197

198

199

200

201

202

203

204

205

206

207

208

209

210

211

212

213

214

215

216

217

